VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
J 03 SEP 2019
P
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1246)

Name of Candidate	Manoj Kumar		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	62755
Center	Jaipur	Date	2-9-19

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. Rock-cut structures were closely associated with various religions and religious activities. Discuss the statement giving relevant examples.

(150 words) 10

शैलोत्कीर्ण संरचनाएँ विभिन्न धर्मों और धार्मिक गतिविधियों से घनिष्ठता से संबंधित थीं। प्रासंगिक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए इस कथन की विवेचना कीजिए।

भारत में विभिन्न शैल कलाओं का प्रतिनिधित्व अलग-अलग धर्मों द्वारा किया जाता है। उदाहरण हैं:

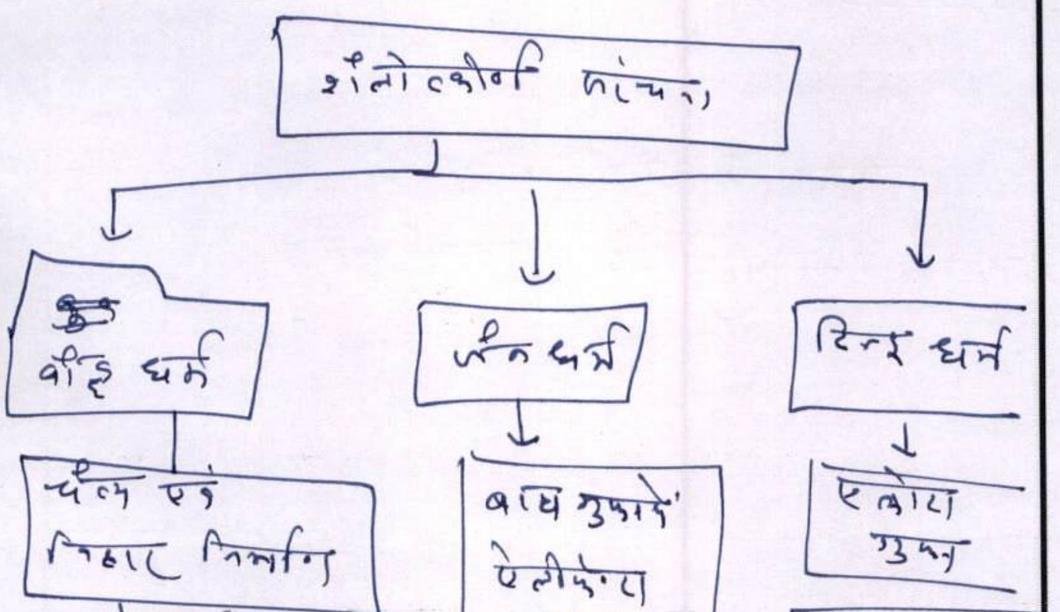

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बौद्ध धर्म - चैत्यों का प्रयोग पूजा पाठ एवं विहारों का उपयोग आवास हेतु

हिन्दू धर्म - शैलों को काटकर इन मंदिरों का निर्माण किया गया है जैसे पूजा कर्मकाण्ड, यज्ञ का केन्द्र थे।

जैन धर्म - यह चैत्य के रूप में प्रयुक्त होते थे। वाले चैत्य

वस्तुतः भारतीय धर्मों का शैल उत्कीर्ण स्थापत्य से गहरा जुड़ाव है

2. The legislative and administrative record of the Congress Ministries during their twenty-eight months rule under the Act of 1935 was positive, but the period also witnessed the emergence of serious weaknesses in the Congress. Discuss. **(150 words) 10**

1935 के अधिनियम के अंतर्गत अट्ठाईस महीनों के शासनकाल के दौरान कांग्रेस मंत्रालयों का विधायी और प्रशासनिक रिकॉर्ड सकारात्मक रहा था, लेकिन यह अवधि कांग्रेस के भीतर गंभीर कमजोरियों के उभरने का भी साक्षी बनी। चर्चा कीजिए।

1935 के अधिनियम द्वारा प्रान्तों को स्वायत्तता प्रदान की गयी थी एवं विधान- निर्वाचन अर्थात् चुनावों मे प्रवेश करने वाली कांग्रेस को व्यापक सफलता मिली।

1935 के एक्ट द्वारा प्राप्त सत्ता मे कांग्रेस का प्रदर्शन

सफलता - कांग्रेस द्वारा किसानों के हित मे व्यापक कदम उठाए गए एवं कृषि सुधार कानून बनाए गए एवं जमींदारों को नियंत्रित किया गया। योजना समिति का गठन

कांग्रेसी शासन द्वारा श्रमिकों की हालत मे सुधार के प्रयास किए गए हालांकि कई हड़तालों को दबाया गया

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गांधीजी पर दबाव बनाए गए
महत्वपूर्ण समय पर आंदोलन को रोका गया।

असफलता

- साम्प्रदायिकता को बढ़ावा मिला कांग्रेस शासन के दौरान मुस्लिमों पर अत्याचार की पीरपुर एवं शरीफ रिपोर्ट मुस्लिम लीग ने प्रस्तुत की।
- कांग्रेस सरकार ने कई स्थानों पर शांतिपूर्ण आंदोलनों को कुचला एवं पुलिस का प्रयोग किया जिससे राष्ट्रीय आंदोलन को धक्का पहुंचा
- रचनात्मक आंदोलन के उचित अंग नहीं थे और विरोधी पक्ष की आलोचना एवं विरोध का कार्य धीमा हो गया।

अंततः द्वितीय विश्वयुद्ध में भारत प्रवेश के मुद्दे पर कांग्रेस मंत्रिमण्डलों ने इस्तीफा दे दिया अतः 1935 से उपजी सरकारों से आशा अधिक थी किन्तु प्राप्त करने हेतु शक्ति एवं दृष्टिकोण का अभाव

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Kamladevi Chattopadhyay was a multifaceted personality with significant contributions both to pre and post independence India. Elucidate.

(150 words) 10

कमला देवी चट्टोपाध्याय का व्यक्तित्व बहुआयामी था। उनका स्वतंत्रता पूर्व और स्वातंत्र्योत्तर भारत में योगदान महत्वपूर्ण था। स्पष्ट कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. The inherent limitations of Napoleon's policy of Continental Blockade ultimately resulted in its failure. Analyze. **(150 words) 10**

नेपोलियन की महाद्वीपीय नाकेबंदी की नीति की अन्तर्निहित कमियां अंततः इसकी विफलता का कारण बनी। विश्लेषण कीजिए।

नेपोलियन के अनुसार ब्रिटेन की शक्ति का आधार था उसकी शक्ति एवं व्यापार वस्तुतः वह उसके व्यापार को नियंत्रित कर उसे कमजोर बनाना चाहता था अतः नेपोलियन ने महाद्वीपीय व्यवस्था महाद्वीपीय नाकेबंदी कर यूरोप का बाजार ब्रिटेन हेतु बंद करना चाहा किंतु पूर्णतः विफल रहा क्योंकि —

① ब्रिटेन के समान फ्रांस उपभोक्ता मांगों की आपूर्ति करने में विफल रहा फ्रांस के पास आवश्यक औद्योगिक आधार, तकनीक एवं पूंजी तीनों ही उपलब्ध नहीं थे।

② ब्रिटेन ने भौगोलिक समीपता से तस्करी को आसान बना दिया इसकी तरह

ब्रिटेन ने कोशिश किया कि वस्तुतः फ्रांस का उत्पाद यूरोप में ही बिकता जाया जिससे फ्रांस की अर्थव्यवस्था हताहत हो। मंदी एवं इसने 'स्टैगफ्लेशन' का रूप ले लिया।

(3) नाकेबंदी से हुई कोई आर्थिक क्षति का-प्रशासन परिवर्तन, पूंजी व्यवस्था सुधार इत्यादि नहीं किए गए केवल युद्ध के अनुमान को आधार माना गया।

वस्तुतः महाद्वीपीय नाकेबंदी ~~व्यवस्था~~ रूस अभियान के उपरांत नेपोलियन की दूसरी बड़ी गलती थी जिसने फ्रेंच साम्राज्य की आर्थिक कमर तोड़ दी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Despite changes in the institution of marriage in recent times, there have been elements of continuity as well. Discuss in the context of India.

(150 words) 10

हाल के समय में विवाह नामक संस्था में परिवर्तनों के बावजूद, इसमें निरंतरता के तत्व बने हुए हैं। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

भारतीय समाज में परिवार ईकाई में विवाह एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में कार्यरत रहा है जो आगे सम्पत्ति निर्धारण, श्रम विभाजन, परिवार निर्माण, संयोग स्थापना इत्यादि कार्यों तक निर्धारित होता है किंतु वर्तमान वैश्वीकरण के संस्लेषण के चलते इसमें परिवर्तन आ रहे हैं। जैसे -

① एकल-परिवारों का प्रचलन एवं संयुक्त परिवारों का विघटन होना - आर्थिक कारण (श्र-अर्जन), पृथक्करण एवं व्यवसाय के कारण, विवाह उपरांत अलग रहना व्यक्तिवाद का प्रभाव

② समलैंगिक विवाह - 377 धारा के अनुसार अब समलैंगिक सम्बंध अपराधिक नहीं

③ आजीविका, रोजगार के चलते विवाह की आयु में देरी

④ लिव-इन एवं विवाह का न करना

⑤ कामकाजी महिला एवं विवाह संस्थाओं में समानता आधारित अपेक्षा

⑥ प्रेम विवाहों का प्रचलन

विवाह संस्था में परम्परागत तत्व

(1) मुख्यतः सह जातीय विवाह एवं अंतर्जातीय विवाह कम

② सगोत्र विवाह को स्वीकृति नहीं

③ दहेज एवं बाल विवाह कुरीति की उपस्थिति

④ विवाह में आडम्बर एवं खर्च

5) कन्या-दान की परम्परा

6) पितृ आधारित (पैटर्न) प्रणाली एवं वंश परम्परा

वस्तुतः विवाह संस्था में परिवर्तन एवं निरन्तरता दोनों के गुण विद्यमान हैं जो आधुनिक समाज की लोचशीलता का परिणाम है हालांकि नकारात्मक पक्ष समय के साथ अपदस्थ हो जायेंगे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. There are multiple disabilities that a person experiences in the course of ageing. Elaborate. Also identify key government initiatives taken for addressing them. **(150 words) 10**

कई अक्षमताएँ हैं जिनका एक व्यक्ति उम्र बढ़ने के दौरान अनुभव करता है। सविस्तार वर्णन कीजिए। साथ ही, इन्हें दूर करने के लिए सरकार द्वारा की गई प्रमुख पहलों की भी पहचान कीजिए।

भारत में वृद्धों की जनसंख्या के जनगणना 2001 के 6.4% के मुकाबले 2011 में 8.6% हो गयी जिसके 2041 तक 18.4% होने के अनुमान है फलतः यह दीर्घायुता नवीन समस्याओं का सृजन करती है क्योंकि जनसंख्या की मांगें आयु सापेक्ष होती है।

दीर्घायु वर्ग की अक्षमता एवं मांगें

1) श्रवण एवं दृष्टि विकारता के कारण
वृद्ध लोगों में देखने - सुनने की समस्या
2) शारीरिक कमजोरी की चलते सीमित गतिशीलता के कारण उपलब्धता का अभाव
3) रोगों के प्रति सुभेद्यता के चलते संक्रामकता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4) शरीर की वृद्धता के चलते गैर संचारी रोगों की अधिकता

5) मानसिक अकेलापन एवं अवसाद

6) वित्तीय असुरक्षा एवं रोजगार

<u>सरकार द्वारा उठायी गयी पहलें</u>

1) PM-आयुष्मान भारत द्वारा परिवार को 5 लाख रु का बीमा लाभ

2) वयोश्री योजना द्वारा हीयरींग ऐड इत्यादि ऐज फ्रेंडली उपकरण वितरण

3) वय वंदना योजना द्वारा निवेश अवसर एवं वित्तीय सुरक्षा

4) सस्ता चिकित्सा विस्तार व जेनेरिक औषधि

5) आधारभूत आवश्यकताओं हेतु अन्त्योदय अन्न योजना एवं राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम।

वस्तुतः इन उपायों द्वारा सरकार वंचित एवं उपेक्षित वृद्ध वर्ग के कल्याण हेतु महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Highlight the reasons behind prevalence of low literacy rate among tribals. Also, mention some initiatives taken by the government in this regard.
(150 words) 10

जनजातियों के मध्य व्याप्त निम्न साक्षरता दर हेतु उत्तरदायी कारणों को रेखांकित कीजिए। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा की गई कुछ पहलों का भी उल्लेख कीजिए।

भारत द्वारा जनजातीय वर्ग के कल्याण हेतु विभिन्न संवैधानिक एवं योजनागत उपबंध किए गए हैं किन्तु वर्तमान में भी जनजातियों में निम्न साक्षरता दर पायी जाती है क्योंकि-

i) ग्रामवासियों के आवास में शिक्षा अवसंरचना का विस्तार नहीं है जबकि जनजातीय वर्ग दुर्गम क्षेत्रों में निवास करते हैं।

ii) शिक्षा प्रणाली का समावेशी नहीं होना एवं विद्यालय, ~~शिक्षक~~ किताब के भिन्न इत्यादि स्तर पर भेदभाव करना।

iii) जनजातीय वर्ग में अभिप्रेरणात्मक तत्व का न होना एवं शिक्षा को अनुपयोगी निवेश के रूप में देखना।

(ii) जनजातीय वर्ग के मध्य जागरूकता का अभाव एवं परम्परागत प्रणाली की सुरक्षा पर बल।

सम्बंध में सरकार द्वारा उठाए गए कदम

1) एकलव्य स्कूलों की स्थापना व स्कूलों का जनजातीय क्षेत्रों में विस्तार
2) TSP ट्राइबल सब प्लान के आधार पर क्षेत्र आधारित नीति क्रियान्वयन
3) शिक्षा के सम्बंध में जागरूक जिला परिषदों (ADC) का सहयोग प्राप्त करना
4) मध्याह्न भोजन योजना द्वारा बच्चों को आकर्षित करना

इस प्रकार सरकार द्वारा इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं ताकि समावेशी विकास के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सभी वर्गों के विकास का अवसर प्रदान कर सामाजिक न्याय की स्थापना की जा सके।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Explain how Continental Drift Theory describes the changing configuration of the continents. Discuss the prominent evidences given by Alfred Wegener to support his theory. **(150 words) 10**

स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार महाद्वीपीय विस्थापन का सिद्धांत महाद्वीपों के परिवर्तित होते अभिविन्यास का वर्णन करता है। अपने सिद्धांत का समर्थन करने के लिए अल्फ्रेड वेगनर द्वारा दिए गए प्रमुख साक्ष्यों की विवेचना कीजिए।

अल्फ्रेड वेगनर के अनुसार महाद्वीप का वर्तमान स्वरूप महाद्वीपीय-विस्थापन के कारण प्राप्त हुआ है। जो कि पेंजिया नामक सुपर कांटिनेंट से टूटकर अलग हुए थे।

वेगनर के अनुसार कार्बोनीफेरस काल में पेंजिया गोण्डवाना लैण्ड एवं लारेशिया में विभक्त हो गया जिसके क्रमिक रूप से टूटने द्वारा अलग-अलग महाद्वीपों का निर्माण हुआ।

फिर यह विभक्त स्थलखण्ड ज्वारीय बल के कारण पश्चिम दिशा एवं गुरुत्व बल के कारण भूमध्य रेखा (उत्तर) की ओर स्थानांतरित हुए एवं वर्तमान स्वरूप प्राप्त किए

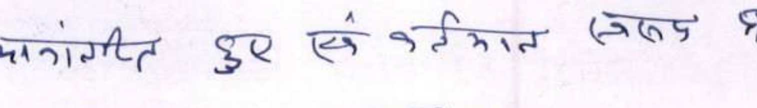

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

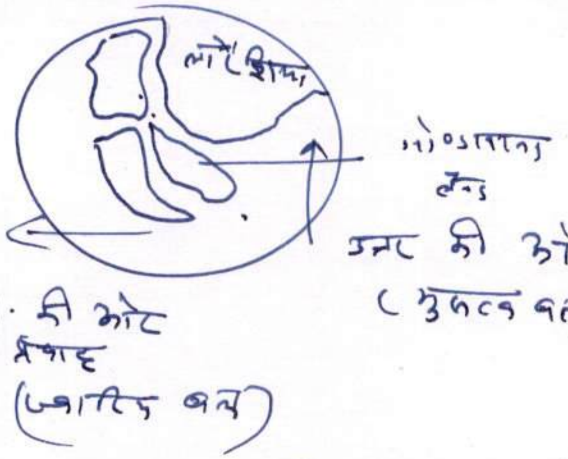

पक्ष में प्रमाण (1) आकृति सम्बंधी - (जिग-सॉ-फिट)
उत्तरी अमेरिका के पूर्वी एवं यूरोप अफ्रीका के पश्चिमी तटों का संरेखण

(2) भूगर्भिक सम्बंधी - दोनों तटों की चट्टानों की रासायनिक समानता

(3) जैविक प्रमाण - लैमिंग्स चूहा द्वारा सामूहिक आत्महत्या।
मेसोसोरस का द. अमेरिका एवं अफ्रीका में पाया जाना

(4) पुरा-जलवायु - उष्ण क्षेत्रों में हिमानी अपरदन प्रमाण एवं ~~ग्लोसप~~ ग्लोसोप्टेरिस वनस्पति।

वस्तुतः वेगनर महोदय ने ~~प्रमाण~~ प्रमाणों की लड़ी प्रस्तुत की किंतु प्रवाह के कारणों का सही विश्लेषण नहीं कर पाए जिसे प्लेट-विवर्तनिकी सिद्धान्त ने पूर्ण कर दिया

9. The variety of landforms on the earth's surface is the result of internal and external forces. Discuss. **(150 words) 10**

पृथ्वी की सतह पर विभिन्न प्रकार की भू-आकृतियाँ आंतरिक और बाह्य बलों का परिणाम हैं। चर्चा कीजिए।

पृथ्वी की सतह पर स्थलाकृतियाँ आन्तरिक एवं बाह्य बल के कार्यरत के फलस्वरूप होती है।

आंतरिक बल तनाव के द्वारा भ्रंश, सम्पीडन जनित वलन इत्यादि के आधार पर धंसाव, उभार, पर्वत-घाटी का निर्माण कर विषमता का सृजन करते है। उदाहरणार्थ

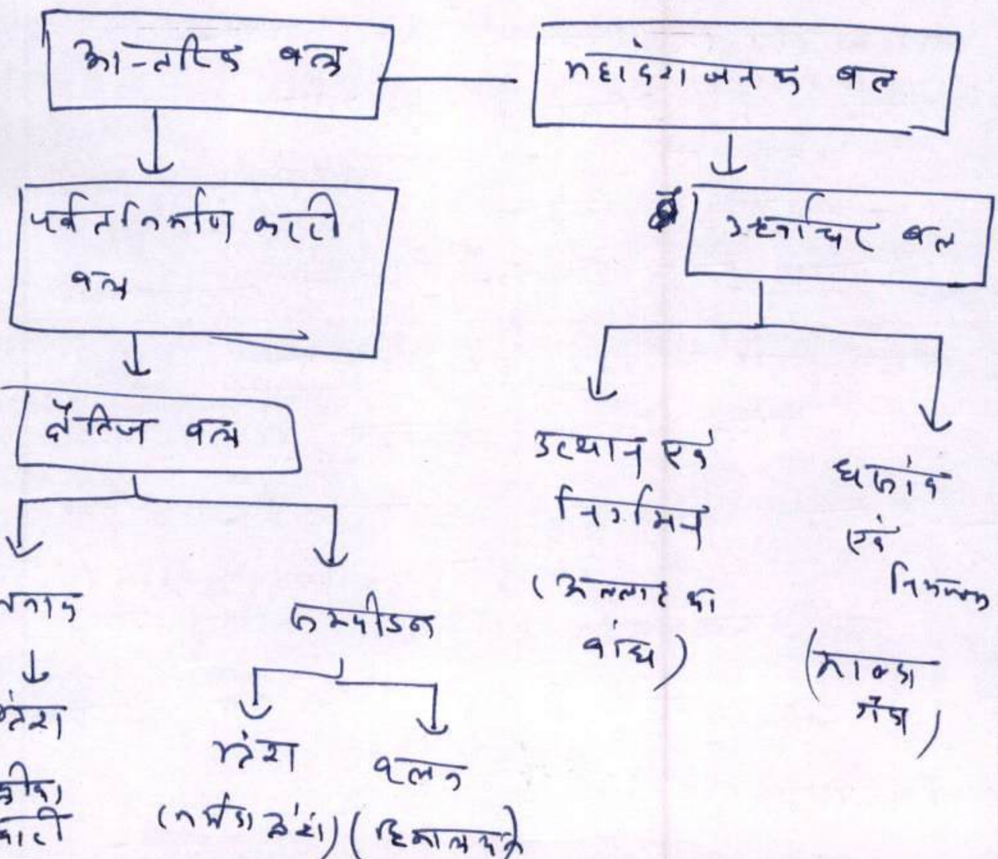

बहिर्जात बल के अन्तर्गत अनाच्छादन के प्रक्रम शामिल होते हैं जो निरन्तर स्थापन का कार्य कर रत उच्चावचीय विषमता को निम्न करने का कार्य करते हैं।

बहिर्जात बल
↓
अनाच्छादन

- अपरदन
  - नदी अपरदन एवं निक्षेपण (जलप्रपात कैन्यन निर्माण) (V आकार घाटी)
  - पवन अपरदन एवं निक्षेपण (लोयस कैन्यन निर्माण), ज्यूगेन, यारडंग
  - सागरीय तरंग अपरदन एवं निक्षेपण (पुलिन निर्माण, स्टैक्स, रोधिका)
  - भूमिगत जल द्वारा कार्स्ट स्थलाकृति निर्माण (आश्चुताश्म, निश्चुताश्म)
- अपक्षय
  - रासायनिक
  - भौतिक
  - जैविक

इस प्रकार यह शक्तियाँ सतत रूप से कार्यरत रहती हैं एवं विभिन्न स्थलरूपों को विकसित करती हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Explaining the concept of Lapse Rate, examine its relationship with atmospheric stability. **(150 words) 10**

ह्रास दर की अवधारणा की व्याख्या करते हुए, वायुमंडलीय स्थिरता के साथ इसके संबंधों का परीक्षण कीजिए।

• वायुमण्डल में ऊंचाई के साथ साथ ऊष्मा के अवशोषक पदार्थों की कमी होती जाती है फलत: न्यून ऊष्मा अवशोषक तत्वों (GHG, जलवाष्प) के कारण ऊंचाई के साथ तापमान में कमी आती है जिसे सामान्य/वातावरणीय/प्राकृतिक ह्रास दर कहते हैं जो औसतन 6.5°C/1000 मीटर है एवं स्थानिक/कालिक रूप से परिवर्तित होती रहती है।

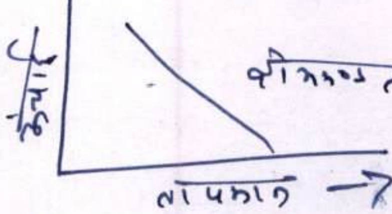

वायुमण्डलीय स्थिरता के निर्धारण में ह्रास दर का सम्बंध

क्योंकि स्थिरता/अस्थिरता संवहनीय दशा पर आधारित होता है एवं संवहन नहीं होगा जब ऊपर उठती वायु अपने आप

पानी की वायु की अपेक्षा गर्म हो यदि वह ठण्डी होगी तो स्थिर हो जाएगी इन दशा में यदि

1) ह्रास दर (ELR) शुष्क एडियाबेटिक रेट (AdR) से ज्यादा हो तो ऊंचाई के साथ तापमान तेजी से घट रहा है एवं वायु का ऊपर उठना जारी रहेगा एवं वायुमण्डलीय अस्थिरता उत्पन्न होगी

ELR > Adr
= वायुमण्डलीय अस्थिरता

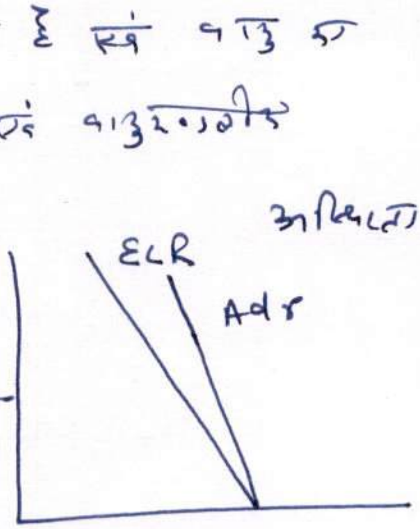

(2) यदि ELR कम हो तो ऊपर उठती वायु का तापमान ELR की अपेक्षा तेजी से कम होगा एवं वह ठण्डी होकर स्थिर हो जाएगी
(war)

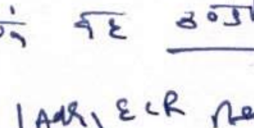

(3) यदि ELR आर्द्र एडियाबेटिक से भी अधिक हो तो उसे निरपेक्ष अस्थिरता कहते हैं। जबकि ELR - Adr व (war) के मध्य हो तो शर्तीय स्थिरता।

वस्तुतः ह्रास दर का वायुमण्डलीय स्थिरता एवं वर्षण से घनिष्ठ सम्बन्ध है

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. The colonial period brought the influence of Western architectural forms to India. In this context, giving examples, highlight the contribution of Europeans to Indian architecture. **(250 words) 15**

औपनिवेशिक काल में भारत पर पश्चिमी स्थापत्य शैलियों का प्रभाव पड़ा। इस संदर्भ में, उदाहरण देते हुए, भारतीय स्थापत्य कला में यूरोप वासियों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

भारतीय कला क्षेत्र उन इमारतों की तरह है जहाँ प्रत्येक शासक ने अपनी विशिष्टता का अंकन किया है। भारत का यूरोप के साथ आधुनिक व्यापार की शुरुआत के साथ ही पश्चिमी स्थापत्य शैली का प्रभाव भारत में आने लगा।

यूरोपीय कम्पनियों द्वारा व्यापारिक कोठियों का निर्माण किया गया है यह स्थापत्य के क्षेत्र में उनकी प्रथम उपस्थिति थी।

जैसे उदाहरण

गोथिक आर्ट ऑफ [illegible]

गेटवे ऑफ इण्डिया

गोवा के चर्च

आगमनीय स्थल के रूप में भारत के राष्ट्रपति भवन का निर्माण

गौथिक आर्क से ऊँची मिनारों का प्रयोग किया जाता है तथा भवनों की ऊँचाई पर विशेष बल दिया जाता है। लोगों का आधार स्थल प्रदान किया जाता है।

कलकत्ता का फोर्ट विलियम कॉलेज एवं प्रेसीडेंसी विद्यालय इसके उदाहरण है।

इसके अतिरिक्त कार्बूजियर द्वारा डिजाइन चंडीगढ़ के स्थापत्य यूरोपीय शैली के भारतीय (स्थापत्य) संश्लेषण है

वस्तुतः यूरोपीय लोगों द्वारा भारत में पुस्तकालय, विद्यालय एवं प्रशासनिक

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

संरचना के रूप में भिन्न स्थापत्यों का
प्रयोग किया उनकी विशिष्टता के चलते
उनके गढ़ों का समाविष्ट भारतीय
स्थापत्य में भी हुआ। यही इनके
संवृद्धि का कारण है।

12. The nineteenth century witnessed a struggle against the backward elements of traditional culture. Discuss in the context of socio-religious reform movements. **(250 words) 15**

उन्नीसवीं सदी वस्तुतः पारंपरिक संस्कृति के पश्चगामी तत्वों के विरूद्ध संघर्ष की साक्षी बनी। सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

19वीं सदी के भारतीय समाज में कई पुरातन वादी, पश्चवादी एवं गूढ़ रीतियाँ विद्यमान थी जो भारतीय सामाजिक विकास में बाधा बन रही थी फिर यही सामाजिक पिछड़ापन कहीं न कहीं भारतीयों की औपनिवेशिक दासता का कारण था एवं श्वेतों लोगों के भार जैसे कुतर्कों को जन्म देता था।

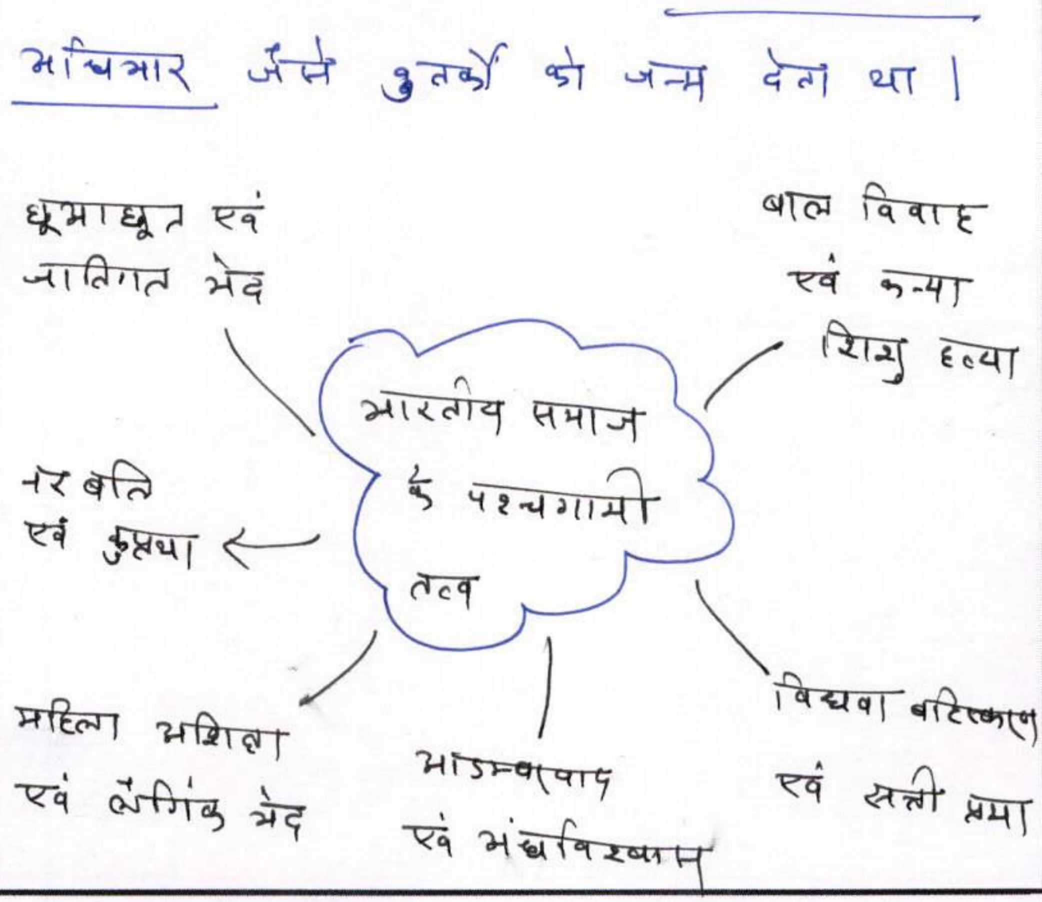

वस्तुतः ये कुप्रथाएँ भारतीयों में विवेकवादी चिंतन, आधुनिकता एवं तर्कशीलता को बाधित कर रही थी क्रमशः प्रबुद्ध वर्ग ने इसका समाधान इस प्रकार किया

महिलाओं की स्थिति सम्बंधी सुधारों हेतु

सती प्रथा के उन्मूलन हेतु राजा राममोहन राय ने व्यापक बौद्धिक आन्दोलन चलाया वहीं ईश्वर चन्द्र विद्यासागर के प्रयासों से बेथुन स्कूल एवं पर्दा विद्यालय द्वारा महिला शिक्षा का मार्ग प्रशस्त हुआ ज्योतिबा फुले एवं रमा बाई ने भी शिक्षा क्षेत्र में अपना योगदान दिया इसी प्रकार डी. डी. कर्वे के प्रयासों से विधवा पुनर्विवाह कानून पारित किया गया। हरविलास शारदा के प्रयासों के अनुरूप विवाह की आयु निश्चित की गई।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आडम्बरों के सन्दर्भ में ब्रह्म समाज ने कर्म सिद्धान्त एवं एकेश्वरवाद पर बल दिया और इस प्रकार आर्य समाज ने आडम्बरों एवं कुप्रथा पर प्रहार कर वैदिक धर्म का प्रचार किया।

जातिगत भेदभाव एवं अस्पृश्यता के समाधान का प्रयास ज्योतिबा फुले (गुलामगिरी) एवं दक्षिण भारत में अधिक रहा साथ ही आर्य समाज ने इस कुरीति पर प्रहार किया।

इसके साथ ही मुस्लिम समुदाय में अहमदिया आन्दोलन ने कुरान को उदारी रूप से जोड़ा एवं मुस्लिमों के आधुनिकीकरण पर बल दिया। इसके साथ ही 1813 की मुक्त व्यापार की नीति के कारण कम्पनी सरकार ने भी परिवर्तनों को हवा दी।

वस्तुतः भारतीय सामाजिक आवश्यकताओं एवं समय की अनुकूलता के चलते भारतीय समाज ने अपनी जड़ता को तोड़ते हुए नवीं सदी में पश्चात्य तत्वों से संघर्ष किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Explaining the reasons behind partition of Bengal, discuss the successes and limitations of the Swadeshi movement launched in its wake.

(250 words) 15

बंगाल विभाजन के लिए उत्तरदायी कारणों की व्याख्या करते हुए, इसके आलोक में आरंभ किए गए स्वदेशी आंदोलन की सफलताओं और कमियों की विवेचना कीजिए।

कम्पनी शासन की शुरुआत बंगाल से ही हुई थी अतः यह कम्पनी की शक्ति एवं शोषण यंत्र दोनों का आधार था किंतु 1905 में बंगाल के विभाजन का निर्णय लिया गया जिसके निम्नांकित कारण थे-

प्रशासनिक कारण

- विस्तृत आकार के कारण प्रशासनिक व्यवधान

बंगाल में राष्ट्रवाद एवं क्रान्तिकारी राष्ट्रवाद को नियंत्रित करना क्योंकि यह महाराष्ट्र के साथ भारतीय राष्ट्रवाद का गढ़ था।

राजनीतिक कारण

- भारतीय आन्दोलन को विभक्त करना एवं बंगाल को साम्प्रदायिक रूप से विभाजित कर हिन्दू-मुस्लिम एकता में दरार डालना।

आर्थिक कारण

बंगाल के प्रशासन पर बढ़ता आर्थिक व्यय

वस्तुतः भारतीय राष्ट्रवादी नेताओं ने ~~कम्पनी~~ ब्रिटिश सरकार की चाल को भांप लिया एवं इसके विरुद्ध स्वदेशी आन्दोलन का निर्णय लिया।

स्वदेशी आंदोलन की सफलता

गरमपंथी राजनीति को क्रियान्वयन का अवसर प्राप्त हुआ एवं स्वदेशी, बहिष्कार, निष्क्रिय प्रतिरोध जैसी तकनीक का प्रयोग हुआ।

भारतीय उद्योगों को प्रोत्साहन मिला पी.सी. राय ने बंगाल केमिकल्स की स्थापना की।

राष्ट्रीय शिक्षा हेतु टैगोर जी ने विश्वभारती शांति निकेतन की स्थापना की एवं राष्ट्रीय शिक्षा संघ की स्थापना की गयी

हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रभाव प्राप्त हुआ
राष्ट्रीय आन्दोलन का भौगोलिक + वर्गीय विस्तार हुआ

असफलता

- कांग्रेसी नेताओं के मध्य आपसी मतभेद थे
- मुस्लिमों के बड़े वर्ग ने भाग नहीं लिया
- केवल नगरों तक सीमित रहा
- अराजकता की प्रतिक्रिया को प्रोत्साहन मिला
- स्वराज्यमय आन्दोलन की दीर्घकालिक रणनीति नहीं थी।
- तत्कालीन अपूर्ति हेतु भारतीय पूंजीपति वर्ग सक्षम नहीं था।

वस्तुतः स्वदेशी आन्दोलन के परिणाम सीमित भले अवश्य रहे किंतु इसने भावी संघर्ष का आधार अवश्य तैयार किया। जिसे आगे गांधी जी ने संचालित किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. The reorganisation of states in India post-independence has been an ongoing process with distinct contributing factors. Analyse. **(250 words) 15**
स्वातंत्र्योत्तर भारत में राज्यों का पुनर्गठन अलग-अलग सहायक कारकों के साथ एक सतत प्रक्रिया रही है। विश्लेषण कीजिए।

भारत संघ का निर्माण 500 से अधिक छोटी - बड़ी रियासतों से मिलकर हुआ था अतः भारतीय संघ की एक बड़ी दुविधा थी कि राष्ट्रीय एकीकरण को सुनिश्चित करना साथ ही प्रान्तीय आकांक्षाओं की पूर्ति कर उसे संतुलित करना।

भारत की भौगोलिक, भाषायी एवं प्रजातीय विविधता के चलते क्रमिक रूप से राज्य पुनर्गठन की मांग चलती रही जिसमें आगे आर्थिक कारकों ने भी अपना योगदान दिया

राज्य पुनर्गठन का क्रमिक चरण

भाषायी आधार पर राज्यों का गठन फजल अली आयोग की अनुशंसाओं के आधार पर किया गया एवं सर्वप्रथम आंध्रप्रदेश

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1953 में भाषायी आधार पर गठित राज्य बना और गुजरात, हरियाणा, हिमाचल का निर्माण इसी क्रम में हुआ।

उल्लेखनीय यह है आरम्भिक चरण में जनता अपनी पहचान को लेकर संवेदनशील थी एवं राष्ट्रवादी विकास आरम्भिक चरण में था भारतीय सरकार ने संघर्ष को टालते हुए भाषायी राज्यों की मांग को माना एवं श्रीलंका जैसी हालात से बच गए।

द्वितीय चरण में राज्यों का निर्माण प्रशासनिक कुशलता एवं विकास के आधार पर हुआ। इस क्रम में छत्तीसगढ़, झारखण्ड का निर्माण किया गया जिसके पीछे औचित्य था कि छोटे राज्य प्रशासनिक रूप से कुशल होते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

नवीनतम चरण में राज्यों का निर्माण,
विकास की मांग एवं विशिष्ट नियोजन के
रूप में हो रहा है। उदाहरण हेतु तेलंगाना
का निर्माण, लद्दाख हेतु अलग UT का निर्माण

वस्तुतः भारत में राज्य पुनर्गठन गड़बड़ी
का परिणाम नहीं अपितु समय-समय
आवश्यकता एवं उनके निराकरण पर आधारित
रहा है यही कारण है कि भारत अपनी
संघीय प्रकृति, राष्ट्रवाद एवं सांस्कृतिक विविधता
के मध्य संतुलन स्थापित कर पाया।

15. The Treaty of Versailles was not a peace agreement based on reconciliation but was 'dictated peace' forced on Germany, which eventually triggered the Second World War. Examine. **(250 words) 15**

वर्साय की संधि सुलह पर आधारित शांति समझौता नहीं थी, बल्कि जर्मनी पर थोपी गई 'आदेशित शांति' थी, जिसने अंततः द्वितीय विश्व युद्ध का मार्ग प्रशस्त किया। परीक्षण कीजिए।

वर्साय की संधि की अगली सुबह ही जर्मन अखबार में लेख छपा कि 'जर्मनी एक बार फिर सभ्य राष्ट्रों की पंक्ति में खड़ा होगा...' वस्तुतः वर्साय की संधि में [illegible] समस्या थी जैसे की -

विल्सन के आत्म निर्णय सिद्धान्त की अवहेलना की गयी एवं नस्लीय विभाजन विकृत हो गया

वर्साय की संधि द्वारा जर्मनी को आर्थिक रूप से लूट लिया गया एवं लगभग 60% लौहा 80% कोयला एवं 70% जस्ता क्षेत्र छीन लिए गए।

संधि द्वारा ~~जर~~ जर्मनी के पोलैण्ड एवं राइन क्षेत्र छीन लिए गए।

शक्ति संतुलन हेतु जर्मनी का सैन्य सीमाकरण कर दिया गया।

सबसे बढ़कर पोलैण्ड का किले गलियारे के कारण जर्मनी दो भागों में बंट गये

वस्तुतः इन कारणों से कहा जा सकता है कि यह थोंपी गयी आरोपित संधि थी।

फिर इसने द्वितीय विश्वयुद्ध का मार्ग कैसे प्रशस्त किया।

जर्मन जनता में बदले एवं बचना का भाव भर गया जिसने युद्ध की मानसिकता को जन्म दिया।

वाइमर गणतंत्र वर्साय की संधि के अपमान से ग्रस्त हुआ था जिसका लाभ हिटलर ने सत्ता प्राप्त करने हेतु किया।

आर्थिक मंदी की जड़ में वर्साय की संधि का भी योगदान था फलतः जर्मन बेरोजगारी एवं गरीबी ने उग्र राष्ट्रवाद एवं सैन्यवाद

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को बढ़ावा दिया।
फिर आगे कुटिल रणनीति हेतु ही हिटलर ने आक्रामक क्षेत्र हड़प की नीति चलाई एवं पुराने क्षेत्रों को प्राप्त करना चाहा जिसका परिणाम विश्व युद्ध के रूप में। हुआ।

वस्तुतः यह जर्मनी का पोलैण्ड पर आक्रमण नहीं बल्कि वर्साय की संधि पर किए गए हस्ताक्षर थे जो द्वितीय विश्व युद्ध के कारण बने।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Legal measures alone are not sufficient for addressing the issue of domestic violence against women, rather it requires intervention at societal level. Discuss. **(250 words) 15**

महिलाओं के विरूद्ध घरेलू हिंसा की समस्या को दूर करने हेतु केवल कानूनी उपाय ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसके लिए सामाजिक स्तर पर भी हस्तक्षेप की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

बाबासाहेब अम्बेडकर ने कहा था कि 'किसी समाज की प्रगति का मूल्यांकन उस समाज की महिलाओं की स्थिति के आधार पर किया जा सकता है।' रायटर फाउंडेशन के अनुसार भारत महिलाओं हेतु सर्वाधिक असुरक्षित देशों में से एक है जो वास्तव एक चुनौति कारक प्रकटीकरण है।

भारत में महिलाओं को घरेलू हिंसा से बचाने हेतु घरेलू हिंसा निरोध अधिनियम एवं धारा 498(A) उपलब्ध है इसके साथ ही हेल्पलाइन नम्बर, मित्र हेल्प, निर्भया घर के साथ-साथ आधार जैसे कार्यक्रम भी चलाये गये है किन्तु

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

फिर भी राष्ट्रीय अपराधिक रिकार्ड ब्यूरो (NCRB) के अनुसार महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा सम्बंधी अपराधों में बढ़ोतरी हुई है वस्तुतः यह पुनर्विचार की आवश्यकता उत्पन्न करता है।

कानून मात्र कागज पर लिखे शब्द है यदि इसे समाज / जनता द्वारा ~~स्वीकार~~ स्वीकार न किए जाए। महिला सुरक्षा हेतु कानूनों की समस्या –

सम्बंधित वर्ग (महिला) को उपायों की जानकारी उपलब्ध नहीं है साथ ही पुरुषों को दंडों की जानकारी प्राप्त नहीं

समाज की अभिवृत्ति में कोई बदलाव नहीं आया है एवं वह महिला को ~~द्वितीयक~~ द्वितीयक दर्जे का लिंग मानता है

घरेलू हिंसा को सामाजिक स्वीकृति मिल चुकी है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

यही कारण है कि महिलाओं एवं अन्य वर्गों द्वारा खुला रूप से इसका विरोध नहीं किया जाता है

सामाजिक स्तर पर क्या कदम उठायें?

① NGO, धार्मिक समाज द्वारा प्रचार-प्रसार एवं अभिरुचि द्वारा सामाजिक अभिरुचि मे परिवर्तन किया जाए।

② महिलाओं की सामाजिक स्थिति मे सुधार लाया जाए उन्हें ३: अधिकार, सम्पत्ति अधिकार प्रदान हो।

③ 'बेटी बचाओ' जैसे कार्यक्रम शुरू किए जाए।

④ समाज के प्रबुद्ध वर्ग द्वारा प्रभावक एवं प्रभाव समूह के रूप मे कार्य किया जाए।

वस्तुतः कानून केवल समाज को दिशा प्रदान करता है किन्तु वह जाता उसी दिशा मे है जहाँ समाज उसे ले जाना चाहता है अतः इस सम्बन्ध मे सामाजिक स्तर पर कदम उठाने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. India is undergoing a demographic transition the implications of which are multipronged. Analyze. **(250 words) 15**

भारत जनसांख्यिकीय संक्रमण से गुजर रहा है जिसके निहितार्थ बहुआयामी हैं। विश्लेषण कीजिए।

जनसांख्यिकीय संक्रमण से तात्पर्य जन्म दर एवं मृत्यु दर में अन्तर के आधार पर वृद्धि दर का प्रभावित होना है।

भारत के दशकीय वृद्धि दर 17% के करीब पहुँच चुकी है जो 1991 की जनगणना के 24% से काफी कम है।

इसके साथ ही निम्नांकित तथ्य उभर रहे हैं।

आयु संरचना	जनगणना 2011	अनुमानित 2041
0-19	41 %	25 %
19-59	51.4 %	58.6 %
60 +	8.6 %	16.4 %

सकल प्रजनन दर में तीव्र गिरावट आयी है एवं यह 2.3 हो गयी है इसके साथ ही शहरों में यह 1.7 हो चुकी है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

जनसंख्या में प्रतिरूप बदलाव देखा जा रहा है
वृद्धि दर कम हुयी है
प्रजनन दर कम हुयी है
बालकों का अनुपात कम हो रहा है
वृद्धों का अनुपात बढ़ रहा है।
भारतीय जनसंख्या नीति १९९५ के प्रावधान
के अनुरूप होने वाला है

निहितार्थ आयाम

जनांकिकीय लाभांश के साथ दीर्घायु लाभांश पर ध्यान देने की आवश्यकता क्योंकि जीवन प्रत्याशा एवं वृद्धों का अनुपात बढ़ रहा है जिससे सामाजिक सुरक्षा, जरा चिकित्सा, पेंशन की मांग बढ़ेगी।

जनांकिकीय लाभांश खिड़की ३७ वर्ष तक बनी रहेगी एवं २०२५ में भारतीयों की औसत आयु २९ वर्ष अतः रोजगार सृजन की आवश्यकता।

प्रजनन दर की दशा को देखते हुए उत्तरी राज्यों के अधिक (3.1 – 3.7) होने की दशा के लिए स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना।

वस्तुतः जनांकिकीय संक्रमण के चतुर्थ चरण के प्रवेश करने के साथ ही भारतीय स्वास्थ्य एवं लोक सेवा कल्याण प्रणाली को नवीन चुनौतियों हेतु तैयार रखना चाहिए जिससे मानव संसाधन का पर्याप्त लाभ उठाकर इन्हें संबोधित किया जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Highlight the significance of watershed development in India. Give reasons for the limited success of initiatives directed towards watershed management in India. Also, suggest some measures to improve the design of watershed programs. **(250 words) 15**

भारत में जल संभर (वाटरशेड) विकास के महत्व पर प्रकाश डालिए। भारत में जल संभर प्रबंधन की दिशा में की गई पहलों की सीमित सफलता के पीछे निहित कारण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, जल संभर कार्यक्रमों की अभिकल्पना में सुधार लाने हेतु कुछ उपायों का भी सुझाव दीजिए।

भारत में विकेन्द्रीकृत नियोजन एवं संधारणीय उपायों के समावेशन से जल संभर विकास एक महत्वपूर्ण रणनीति है।

वस्तुतः वाटरशेड विकास के तीन महत्वपूर्ण पक्ष जल, कृषि एवं पशु मानव प्रबंधन पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

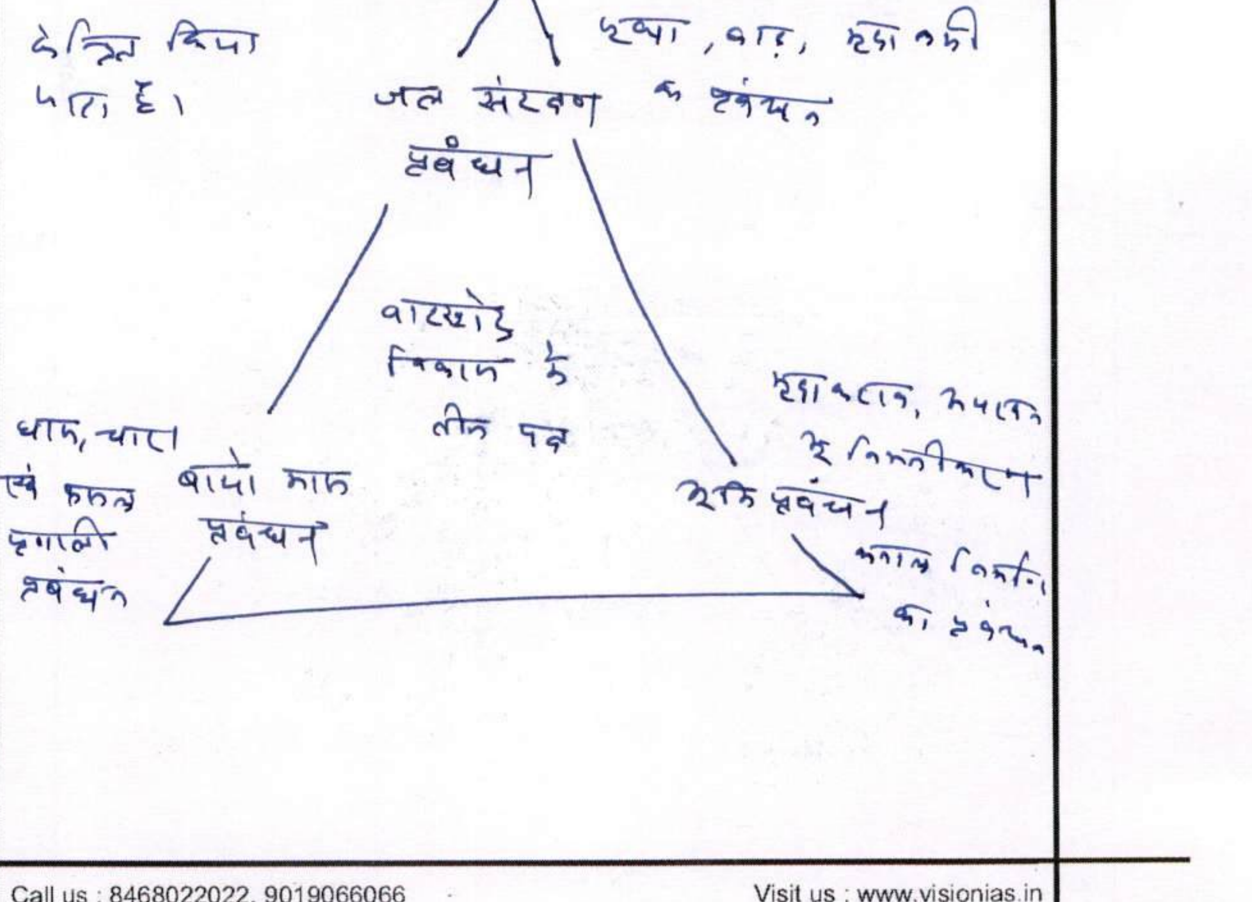

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जल संभर विकास का महत्व

- विकेन्द्रीकृत प्रणाली के कारण जन-सहभागिता एवं मांग आधारित कार्यक्रम
- इसके अध्ययन एवं डाटा विश्लेषण सरल
- आवश्यकता आधारित संशोधन सरल
- नदी क्षेत्र के रूप में निश्चित क्षेत्र की प्राप्ति एवं पारिस्थितिक रूप से सह एवं संरक्षित
- स्थानीय समस्याओं का हल एवं क्षेत्रीय विकास में सहायक है। यह कृषि, आपदा नियंत्रण एवं ग्रामीण विकास से जुड़ा है

सीमित सफलता के पीछे कारण

① तीनों पक्षों पर समान ध्यान नहीं दिया जाता उपर बल जल प्रबंधन पर देने के कारण मृदा क्षरण एवं वाटर-शेड संरचना रह जाते हैं।

② विकेन्द्रीकृत नियोजन के कारण राष्ट्रीय दिशानिर्देश संभव नहीं हो

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) स्थानीय स्तर पर तकनीकी विशेषज्ञों एवं निर्माणकर्ताओं की कमी

अतिक्रमणता के निवारण हेतु उपाय

(1) पंचायतों का सशक्तिकरण एवं क्लस्टर आधार पर बारदोई विकास की संकल्पना का योजना निर्माण एवं निगरानी

(2) जल सहभागिता का प्रचार किया जाए

(3) संकल्पना विकास में सिंगापुर, मॉरीशस जैसे तकनीकी आँकड़ों का उपयोग कर रोल-मॉडल बनाया जाए

(4) निवासियों की भूमिका का मानवीकरण हो

(5) पर्याप्त वित्त एवं प्रशासनिक सहयोग प्रदान किया जाए।

अतः इस प्रकार बारदोई विकास की बाधाओं को दूर कर विकास में इसका लाभ उठाया जा सकता है।

19. Explain the relationship between raw materials and location of industries. How are globalisation and technological advancements changing this relationship? **(250 words) 15**

कच्चे माल और उद्योगों की अवस्थिति के मध्य संबंध स्पष्ट कीजिए। वैश्वीकरण और तकनीकी प्रगति इस संबंध को कैसे परिवर्तित कर रहे हैं?

उद्योग की अवस्थिति के स्थानीयकरण में कच्चा माल महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा उद्योग के लाभ एवं लागत को आकार प्रदान करता है।

उदाहरण कच्चे माल की प्रकृति ~~तीन~~ (4) प्रकार की हो सकती है। (i) सर्वसुलभ (ii) अशुद्ध (भार कम होगा) (iii) शुद्ध (iv) ~~शुद्ध~~ भार घटने वाले

(i) सर्वसुलभ कच्चे माल की दशा में उद्योग बाजार के समीप स्थापित होगा। (बाटर बोतल उद्योग)

(ii) अशुद्ध कच्चा माल ~~व~~ चूंकि भार खोते हैं अतः परिवहन लागत को बचाने के लिए उद्योग कच्चे माल के स्रोत के करीब स्थापित होंगे। उदा. (लौहा-इस्पात उद्योग)

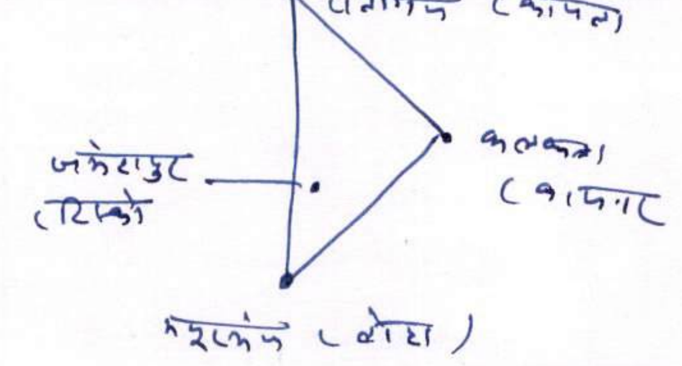

(लौह अयस्क उद्योग)

(iii) कच्चा माल शुद्ध एवं स्थानीकृत होने पर उद्योग कच्चे माल एवं बाजार के मध्य स्थापित होगा उदाहरण हेतु- (सूती वस्त्र उद्योग)

(iv) भार ग्रहण करने वाले उद्योग मुख्य बाजार के नजदीक स्थापित होते है ताकि अतिरिक्त भार की परिवहन लागत से बचा जा सके

इस प्रकार कच्चा माल एवं उद्योग के स्थानीकरण में घनिष्ठ संबंध है किंतु तकनीकी प्रगति के कारण इसमें परिवर्तन आया है

① परिवहन लागत आनुपातिक रूप से कम हुई है एवं श्रम लागत द्वारा यह संतुलित हो सकती है यथा इला. M.P बिहार से सस्ता श्रम

② तकनीक के कारण कच्चे माल का संरक्षण एवं समुचित उपयोग संभव।

③ ऊर्जा के नवीन स्त्रोत L.G. कन्वर्टर इत्यादि का प्रचलन

④ तीव्र परिवहन एवं लॉजिस्टिक व्यवस्था, भण्डारगृह के कारण लम्बी आपूर्ति संभव

फलतः इनके कारण उद्योग अवस्थापन ~~के बाजार~~ बाजार केन्द्रित एवं अन्य आर्थिक कारकों (श्रम, तकनीक, पूंजी) द्वारा प्रभावित होने लगा है फलतः पहले उद्योग भौतिक संसाधन कारकों द्वारा परन्तु अब तकनीकी कारकों से प्रभावित होते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Explain how natural greenhouse effect helps in maintaining Earth's heat budget. What are the possible implications of rising concentration of greenhouse gases (GHGs) in atmosphere on Earth's heat budget?

(250 words) 15

स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार प्राकृतिक ग्रीनहाउस प्रभाव पृथ्वी का उष्मा बजट बनाए रखने में सहायता करता है। पृथ्वी के उष्मा बजट पर वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों (GHGs) की बढ़ती सांद्रता के संभावित निहितार्थ क्या हैं?

ग्रीन हाउस प्रभाव (GHE) से तात्पर्य उस प्रक्रिया से है जिसके द्वारा पृथ्वी के वायुमण्डल में उपस्थित गैसें (CO_2 NO_2 O_3) पृथ्वी के पार्थिव विकिरण के अवरक्त स्पेक्ट्रम को अवशोषित कर पृथ्वी के वायुमण्डलीय तापमान को 15°C के औसत पर बनाए रखती है।

एवं आगे इस अवशोषित उष्मा को कुछ अन्तरिक्ष में मुक्त कर प्रवेशी एवं मुक्त उष्मा के मध्य संतुलन स्थापित कर उष्मा बजट को पूर्ण करती है।

जिससे पृथ्वी का तापमान न कम एवं अधिक होने के बजाय समान बना रहता है

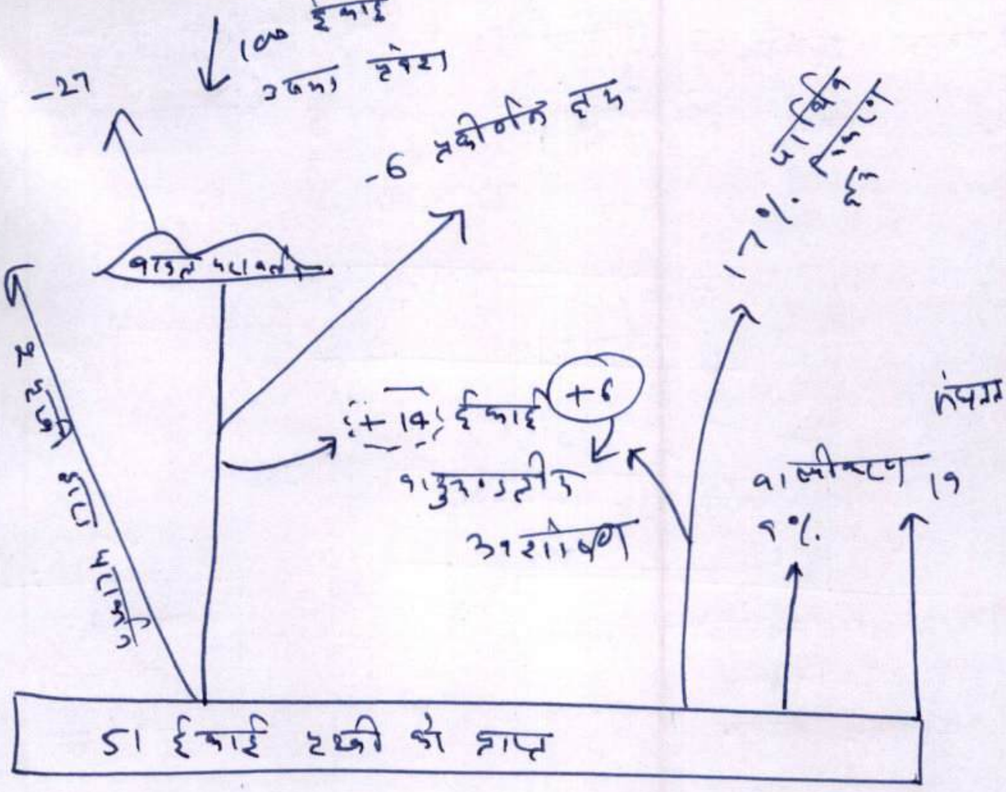

वायुमंडल द्वारा 14 + 6 + 9 + 19
= 48 इकाई को क्रमिक रूप से
वायुमंडल में कुल कर रूप में शोष
किया जाता है

वायुमंडल में मानवीय कारणों एवं प्राकृतिक
उत्सर्जन वृद्धि के कारण GHG गैसों की
बढ़ी मात्रा के निहितार्थ —

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

· अधिक ऊष्मा अवशोषण के कारण वायुमंडल के तापमान में वृद्धि एवं जलवायु परिवर्तन

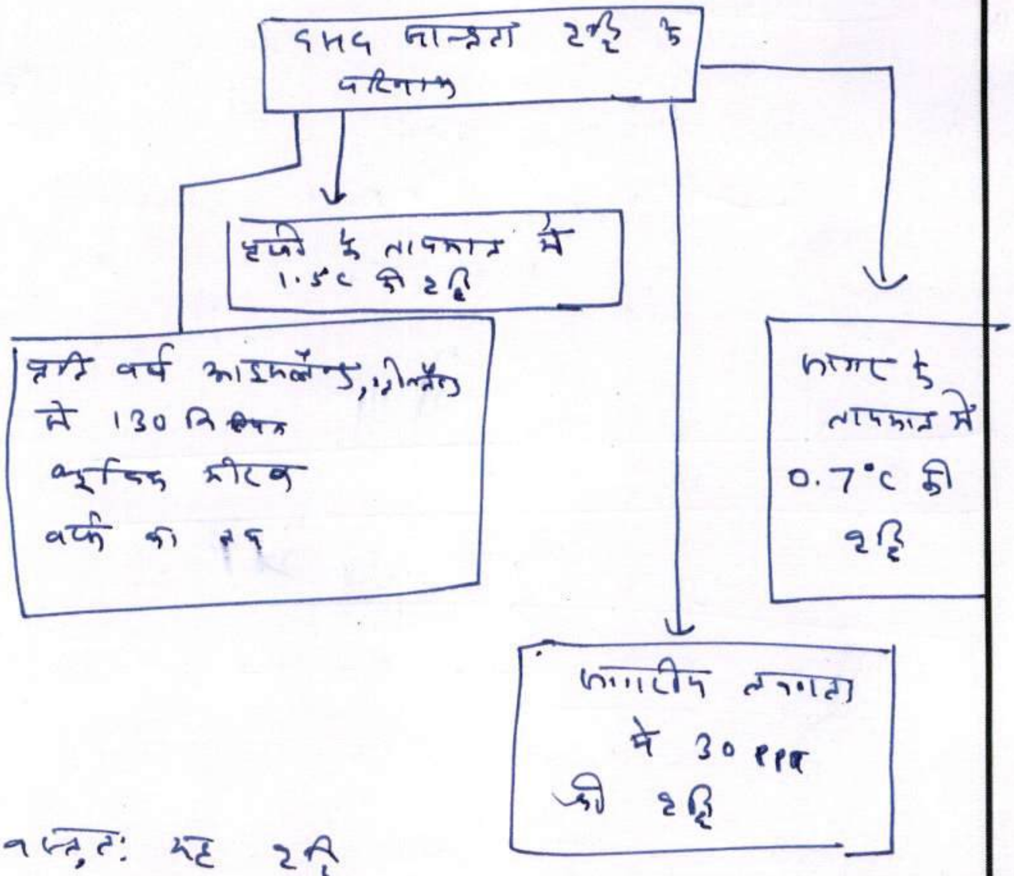

वस्तुतः यह वृद्धि अभूतपूर्व उत्सर्जन एवं जलवायु परिवर्तन द्वारा मानव जीवन हेतु हानिकारक आपदाओं की तीव्रता में वृद्धि का एक गंभीर चुनौती उत्पन्न करती है